

अनुक्रमांक.....

मुद्रित प्रश्नों की संख्या : 9

नाम.....

901

801(LG)

2026

हिन्दी

समय : तीन घंटे 15 मिनट

पूर्णक : 70

निर्देश-

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।
- (ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।
- (iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।
- (iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।
- (v) O.M.R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whitener) आदि का प्रयोग न करें।
- (vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड-अ बहुविकल्पीय प्रश्न

1. चिन्तामणि निबन्ध संग्रह है-

- (A) रामचन्द्र शुक्ल (B) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(C) यशपाल (D) जैनेन्द्र

2. आकाशदीप के लेखक हैं-

- (A) प्रेमचन्द (B) जयशंकर प्रसाद
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) दिनकर

3. परीक्षा गुरु के लेखक हैं-

- (A) इंशा अल्ला खाँ (B) लाला श्री निवास दास
(C) प्रेमचन्द (D) सदासुख लाल

1

1

1

4. राजेन्द्र प्रसाद का जन्म-स्थान है- 1
(A) सीवान (बिहार)
(C) जबलपुर (मध्य प्रदेश)
(B) वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
(D) रायपुर (छत्तीसगढ़)
5. 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता है- 1
(A) सुमित्रानन्दन पंत
(C) जयशंकर प्रसाद
(B) निराला
(D) धर्मवीर भारतीय
6. 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है- 1
(A) 1953 ई.
(C) 1919 ई.
(B) 1935 ई.
(D) 1943 ई.
7. रीतिकाल का अन्य नाम है- 1
(A) स्वर्ण काल
(C) उद्धव काल
(B) श्रृंगार काल
(D) संक्रान्ति काल
8. बिहारी हिन्दी साहित्य के किस काल के कवि है- 1
(A) आदिकाल
(C) रीतिकाल
(B) भक्ति काल
(D) आधुनिक काल
9. 'मधुशाला' किसकी रचना है- 1
(A) रामधारी सिंह दिनकर
(C) हरिवंशराय बच्चन
(B) हरिऔध
(D) सुमित्रानन्द पंत
10. तुलसीदास का जन्म कब हुआ था- 1
(A) 1532 ई.
(C) 1537 ई.
(B) 1535 ई.
(D) 1554 ई.
11. शताब्दी में कौन सा समास है- 1
(A) द्विगु
(C) अव्ययी
(B) कर्मधार्य
(D) द्वन्द्व
12. अक्षि शब्द का तद्धव शब्द है- 1
(A) कान
(C) भौंह
(B) आँख
(D) दाँत

13. आँख का पर्यायवाची है- 1
(A) नेत्र (B) चक्षु
(C) नयन (D) इनमें सभी
14. करुण रस का स्थायी भाव है- 1
(A) क्रोध (B) भयानक
(C) हास (D) शोक
15. सोरठा के प्रथम एवं तृतीय चरण में कितनी मात्राएं होती है- 1
(A) 11-11 (B) 13-13
(C) 12-12 (D) 14-14
16. 'चरण-कमल बन्दै हरि राइ' में अलंकार है- 1
(A) अनुप्रास (B) रूपक
(C) उपमा (D) श्लेष
17. निम्न में से अविकारी शब्द है - 1
(A) अचानक (B) गाय
(C) अलमारी (D) सुनीता
18. राम रोटी खाता है। में वाच्य है? 1
(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य
(C) वाच्य नहीं है (D) भाववाच्य
19. समुद्र का पर्यायवाची शब्द नहीं है –
(A) पयोधि (B) जलधि
(C) पयोदि (D) उदधि 1
20. स्वना के आधार पर वाक्य के प्रकार - 1
(A) दो (B) आठ
(C) पांच (D) तीन

खण्ड- ब वर्णनात्मक प्रश्न

21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
- कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सवृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। कि युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिरती जाएगी और अच्छी होगी तो सहारा देने वाली सुदृढ़ बाहु में समान होगी जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायेगी।
- (A) उपर्युक्त गद्यांश सन्दर्भ लिखिए। 2
(B) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2
(C) कुसंग की तुलना किससे की गयी है? 2

अथवा

हे भगवान! तब के लिए विपद के लिए! इतना आयोजन! परमपिता की इच्छा के विरुद्ध इतना साहस पिताजी क्या भीख न मिलेगी? क्या कोई हिन्दू भू-पृष्ठ पर न बचा रह जायेगा। जो ब्राह्मण को दो मुट्ठी अन्न दे सके? यह असम्भव है। फेर दीजिए पिताजी, मैं काँप रही हूँ। इसकी चमक आँखों को अन्धा बना रही है।

- (A) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2
(B) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2
(C) उपर्युक्त गद्यांश में किस कार्य को परमपिता ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध बताया गया है। 2

22. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
- उधौ मोहि ब्रज विसरत नाहीं।

वृन्दावन गोकुल वन उपवन, संघन कुंज की छाहीं।
प्रात समय माता जसुमति अरु, नंद देखि सुख पावत।
माखन रोटी दह्यौ सजायौ, अति हित साथ खवावत।
गोपी ग्वाल बाल संग खेलत, सब दिन हँसत सिरात।
सूरदास धनि-धनि ब्रजवासी, जिनसौं हित जदुनाथ॥

- (A) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(B) रेखांकित अंशकी व्याख्या कीजिए। 2

(C) प्रस्तुत पद में कौन-सा रस है? 2

अथवा

सीस जटा, उरबाहु, विसाल, विलोचन लाल, तिरीछी-सी भौंहें।

तून सरासर बान पेरे, तुलसी बन-मारग में सुठि सोहें।

सादर बारहिं बार सुभाय चितै तुम लो हमरो मन मोहें।

पूछति ग्राम वधु सिय सो कहौ साँवरे से सखि! रावरे को हैं॥

(A) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(B) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(C) ग्राम बधुएं राम के रूप-सौन्दर्य के बारे में क्या कह रही है? 2

23. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

2+3=5

एषा नगरी भारतीय संस्कृते: संस्कृत भाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एव।

संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः।

अथवा

अस्माकं संस्कृति सदा गतिशीला वर्तते। मानवजीवनं संस्कृतुम् एषा यषा समयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्ति च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्ष गृहीतं भवति। एतस्या गतिशीलतायाः रहस्यं मानव जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम् तद यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चैति।

24. दिये गये संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

2+3=5

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे स्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखबाग् भवेत्॥

अथवा

बन्धनं मरणं वपि जयो वापि पराजयः।

उभयत्र समो वीरः वीर भावो हि वीरता॥

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

3

(क) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
अथवा 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।

अथवा 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद-प्रतिज्ञा' का वर्णन कीजिए।

(ग) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा 'कर्मवीर भरत' के पंचम सर्ग 'वनगमन' का सारांश लिखिए।

(घ) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

अथवा 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'मेवाड़-मुकुट' के प्रथम सर्ग 'अरावली' का सारांश लिखिए।

अथवा 'मेवाड़-मुकुट' के खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(च) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा 'कर्ण' खण्डकाव्य के किसी एक प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा तुमुल खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

26. (i) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना को लिखिए।

3+2=5

(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब) जयशंकर प्रसाद (स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

